विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम **दिनांक -१४ - ०६ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज अव्यय शब्द के बारे में अध्ययन करेंगे।

पिछले दिन भी हमलोग अध्ययन किए थे आज उसके आगे अध्ययन करेंगे।

स्थान वाचक क्रिया विशेषण

स्थान वाचक क्रिया विशेषण क्रिया के स्थान या निश्चित स्थिति का बोध कराता है। उसकी विशेषता से अवगत कराता है। जैसे –

- वह **बाहर** खड़ा है
- राम **ऊपर** बैठा है
- तुम **इधर उधर** मत जाओ
- माताजी **बाहर** गई है
- वह **भीतर** है
- उस **तरफ** मत जाओ
- यहां से **वहां तक** पानी ही पानी है
- **बाहर** बैठो
- **इधर-उधर** मत खड़े हो
- **भीतर** जाकर बैठिए
- **यहां से** चले जाइए
- **किधर** जा रहे हो।

स्थितिवाचक – आगे, पीछे, ऊपर, नीचे, पास, दूर, भीतर, बाहर, यहां, वहां, सर्वत्र आदि
दिशावाचक – इधर, उधर, दाहिने, बाएं, की तरफ, की ओर, के चारों ओर आदि

परिमाणवाचक क्रिया विशेषण

क्रिया की मात्रा या परिमाण का ज्ञान कराने वाले क्रिया विशेषण को परिमाणवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं।

यह पांच प्रकार के होते हैं-

1. **अधिकतमवाचक –**बहुत, अधिक, अत्यंत, खूब, भारी, बिल्कुल आदि।
2. **न्यूनतमवाचक –** कुछ, कम, तनिक, प्रायः, जरा, थोड़ा आदि।
3. **तुलनावाचक –** कितना, जितना, उतना, कम से कम, अधिक से अधिक, बढ़कर आदि।
4. **श्रेणीवाचक –** थोड़ा-थोड़ा, क्रम से, तिल तिल करके, एक-एक करके आदि।
5. **पर्याप्तवाचक –** केवल, ठीक, काफी, बस आदि

- **थोड़ा** खेल भी लिया करो
- **कम** बोला करो
- **खूब** खाया करो
- **थोड़ा-थोड़ा** अभ्यास कीजिए
- वह **अधिक** बोलता है
- **ज्यादा** लालच बुरी बला है
- **कम** बोलो **अधिक** पढ़ो
- **थोड़ा** खाओ
- सुशील **बहुत** अच्छा लिखता है